

प्रेषक,

डॉ० उमाकान्त पवार,  
प्रमुख सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

प्रबन्ध निदेशक,  
यूजेवीएन लि०,  
देहरादून।

ऊर्जा अनुभाग-2,

देहरादून: दिनांक: /5 मार्च, 2017

विषय:- वित्तीय वर्ष 2016-17 में विश्व बैंक पोषित (DRIP) परियोजनाओं हेतु धन की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक यूजेवीएनएल के पत्र संख्या 164/यूजेवीएनएल/नि०(वि०) दिनांक 29.04.2016 के सन्दर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि विश्व बैंक पोषित (DRIP) परियोजनाओं हेतु अंशपूजी के रूप में रु० 2.00 करोड़ तथा ऋण के रूप में रु० 09.4472 करोड़ अर्थात् कुल रु० 11.4472 करोड़ (रु० ग्यारह करोड़ चवालिस लाख बहत्तर हजार मात्र) की धनराशि आपके निर्वर्तन पर रखने की श्री राज्यपाल महोदय निम्न प्रतिबन्धों के अधीन सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-

- (i) अवमुक्त की जा रही धनराशि का व्यय परियोजना की सक्षम स्तर से स्वीकृत लागत के सापेक्ष ऐसे अवशेष कार्यों को पूर्ण करने हेतु ही किया जायेगा जिन्हें परियोजना हित में किया जाना आवश्यक है।
- (ii) यूजेवीएनएल द्वारा उक्त धनराशि से कराये जाने वाले कार्यों की सक्षम स्तर से तकनीकी, प्रशासनिक एवं वित्तीय स्वीकृति प्राप्त कर ली जाय, साथ ही ऐसे अवशेष कार्यों को पूर्ण किये जाने हेतु वांछित ऋण भी यथाशीघ्र/समयवद्ध रूप से अवमुक्त करा ली जाय।
- (iii) उक्त स्वीकृत धनराशि का उत्तराखण्ड जल विद्युत निगम के निदेशक, वित्त द्वारा तैयार बिलों पर जिलाधिकारी, देहरादून के प्रतिहस्ताक्षर के उपरान्त ही आहरण किया जायेगा।
- (vi) स्वीकृत की जा रही धनराशि का अन्यत्र विचलन न किया जाय। साथ ही स्वीकृति के सापेक्ष वित्तीय वर्ष के अन्त में कोई धनराशि किसी भी कारण से बचती है तो उसे तत्काल शासन को वापस कर दिया जायेगा।
- (v) स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र दिनांक 31.03.2017 तक भौतिक एवं वित्तीय प्रगति विवरण सहित शासन को उपलब्ध कराया जायेगा।
- (vi) स्वीकृत की जा रही धनराशि के सापेक्ष सम्बन्धित कार्यों को सम्पन्न करने तथा भुगतान करने हेतु उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली से सभी वित्तीय नियमों की परिपालना सुनिश्चित की जायेगी।

(VII) योजनाओं हेतु वर्तमान में आवंटित की जा रही धनराशि योजना हेतु कुल स्वीकृत लागत के अन्तर्गत ही रहेगी।

(VIII) अग्रेत्तर धनावंटन का प्रस्ताव प्रस्तुत करते समय परियोजनावार अनुमोदित लागत, टेण्डर उपरान्त कुल न्यूनतम लागत राशि, लागत के सापेक्ष वित्त पोषण स्रोतवार धनराशि, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, कुल प्रतिपूर्ति हेतु अंशपूजी, कुल दावों की धनराशि तथा इन दावों के सापेक्ष विश्व बैंक से प्राप्त कुल धनराशि के विवरण प्रस्तुत किये जायेंगे।

2- इस सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2016-17 के आय-व्यय के अनुदान संख्या 21 के लेखा शीर्षक 4801- बिजली परियोजनाओं के लिए पूंजी गत परिव्यय 01-जल विद्युत उत्पादन 190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश 97-वाहय सहायतित -9702 विश्व बैंक पोषित परियोजा-30-निवेश/ऋण एवं लेखा शीर्षक 6801- बिजली परियोजनाओं के लिए पूंजी गत परिव्यय 01-जल विद्युत उत्पादन 190-सरकारी क्षेत्र के उपक्रमों और अन्य उपक्रमों में निवेश 97-वाहय सहायतित -9702 विश्व बैंक पोषित परियोजा-30-निवेश/ऋण के नामे डाला जायेगा।

3- यह आदेश वित्त विभाग के अशासकीय संख्या: 303/XXVII(2)/2017, दिनांक 14 मार्च, 2017 द्वारा प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

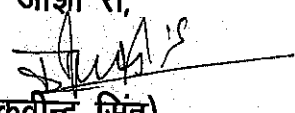
भवदीय,

(डॉ० उमाकान्त पंवार)  
प्रमुख सचिव।

संख्या: 104 /I(2)/2017-04(1)/06/15, तदिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- महालेखाकार, आडिट इन्दिरा, नगर देहरादून।
- 3- निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 4- जिलाधिकारी, देहरादून।
- 5- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 6- प्रभारी, एन0आई0सी0, सचिवालय परिसर।
- 8- गार्ड फाईल हेतु।

आज्ञा से,  
  
(कवीन्द्र सिंह)  
संयुक्त सचिव।